वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी कार्यशाला का रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रगति पाने के लिये प्रतिवर्ष अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में 28 सितम्बर 2021 को इस संस्थान में "हिन्दी में टिप्पणी एवं आलेखन" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विषय पर विस्तार से चर्चा करने के लिये श्री एस.वीरमणिकंडन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, कोयम्बत्तूर को आमंत्रित किया गया था।

सर्वप्रथम राजाभाषा कार्यान्वयन समिति के नोडल अधिकारी श्रीमती के.शांति ने कार्यशाला में आये हुये मुख्य अथिति एस.वीरमणिकंडन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं कार्यशाला में भाग ले रहे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए इस कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला को आगे बड़ाते हुये एस.वीरमणिकंडन, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, ने "हिन्दी में टिप्पणी एवं आलेखन" विषय पर विस्तार से चर्चा किया। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। जिस तरह हम केंद्र सरकार द्वारा दिये गये सभी सुविधाओं का प्रयोग करते है उसी तरह केंद्र सरकार के द्वारा बनाए गये राजभाषा के नियमों का पालन करना भी हमारा कर्तव्य बनता है। राजभाषा नियम के अनुसार पूरे देश को तीन क्षेत्रों में बाँटा गया है। 'क' 'ख' और 'ग' क्षेत्र। तमिलनाडु 'ग' क्षेत्र में आने के कारण इस क्षेत्र में स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों को 55% हिन्दी में पत्राचार एवं 30% हिंदी में टिप्पणी लेखन करना चाहिये।

टिप्पणी लेखन विषय पर चर्चा करते हुए सामान्य एवं नियमित रुप से प्रयोग में आने वाले टिप्पणियों को दो भागों में बांटकर उनको आसान तरीके से द्विभाषिक रूप में प्रयोग करने की विधि को उदाहरण सहित सभी को समझाया। हिंदी टिप्पणियों को अंग्रेजी एवं अंग्रेजी टिप्पणियों को हिंदी में अनुवाद करने की सरल तकनीक पर भी चर्चा की गई। सभी कार्मिकों को अंग्रेजी टिप्पणी देकर उसका हिंदी अनुवाद करने को कहा गया जिसमें सभी ने उमंग-उत्साह से अनुवाद प्रस्तुत किया जिसमें मुख्य अथिति ने सुधारों हेतु सुझाव भी दिये। राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रगति हेतु सभी से सुझाव मांगे गये जिस पर सभी ने अपने-अपने सुझाव भी दिये। यह कार्यशाला सभी को उपयोगी रहा।

अंत में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवादक ने सभी को धन्यवाद देते हुए इस कार्यशाला को सम्पन्न किया।

Report of Hindi Workshop conducted in IFGTB

Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore organizes various programs every year for the progress in implementation of Official Language. A workshop on “Noting and Drafting in Hindi” was organized on 28 September 2021 in the institute. Mr. S. Veeramanikandan, Senior Translation Officer, Employees Provident Fund Organisation, Coimbatore was invited as guest lecturer to discuss on the topic.

Mrs. K. Shanti, Nodal Officer, OLIC inaugurated the workshop by welcoming the Chief Guest S. Veeramanikandan, Senior Translation Officer, Employees Provident Fund Organization and all the officers/employees participated in the workshop. Shri S. Veeramanikandan, Senior Translation Officer, Employees' Provident Fund Organization, in his speech had discussed on the topic "Noting and Drafting in Hindi". He said that Hindi is our official language. Just as we use all the facilities given by the central government, in the same way it is our duty to follow the rules of official language made by the central government. According to the official language rule, the whole country is divided into three regions viz. 'A' 'B' and 'C'. Tamil Nadu being in 'C' region, Central Government offices located in this region should do 55% correspondence in Hindi and 30% noting in Hindi.

While discussing on the topic, he divided the common and regularly used notings into two parts and explained the method of using them in bilingual form in an easy way with examples. Simple techniques to translate Hindi notes into English and English notes to Hindi were also discussed. All the participants were asked to translate it into Hindi by giving English notings, in which all participants have carries out translation with enthusiasm. The chief guest also gave suggestions for more improvements. Suggestions were sought from everyone for progress in the implementation of the official language, on which everyone gave their own suggestions. This workshop was useful to all.

Smt. Poongothai Krishnan, Junior Translator concluded this workshop by thanking everyone.

कार्यशाला के कुछ चित्र